आमरण अनशन पर बैठे परिजनों से मिले कलेक्टर व एसपी

स्वास्थ्य परीक्षण कराने का किया अनुरोध, दिया निष्पक्ष जांच का भरोसा

नवभारत न्यूज

रीवा, 8 सितम्बर, संजय गांधी अस्पताल में इलाज के दौरान कल्पना मिश्रा की हुई दुखद मौत के मामले में दोषी डॉक्टरों पर कार्रवाई की मांग को लेकर सिरमौर चौराहे पर आमरण अनशन पर बैठे मृतका के पिता राम शिरोमणि मिश्रा से मिलने कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी और पुलिस अधीक्षक गुरकरन सिंह खुद मौके पर पहुंचे.

वरिष्ठ अधिकारियों ने पीड़ित पिता से व्यक्तिगत रूप से बातचीत कर उन्हें निष्पक्ष न्याय का पूरा भरोसा दिलाया. अनशन स्थल पर पहुंचे कलेक्टर ने राम शिरोमणि मिश्रा के स्वास्थ्य का हाल जाना और उनसे अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराने का विनम्र अनुरोध किया. कलेक्टर ने कहा कि शासन और प्रशासन को उनके गिरते स्वास्थ्य की पूरी चिंता है. पीड़ित परिवार को सांत्वना देते हुए उन्होंने कहा कि बेटी कल्पना का असमय जाना अत्यंत दुखद है और सरकार इस कठिन समय में पूरी तरह से पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है. उन्होंने आश्वस्त किया कि पूरे मामले में पारदर्शिता के साथ जांच कराई जा रही है. इस दौरान अनशन स्थल पर अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे. गौरतलब है कि बीते 26 अगस्त को संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराई गई श्रीमती कल्पना मिश्रा की उपचार के दौरान मृत्यु हो गई थी. परिजनों ने इलाज में गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है. दोषी डॉक्टरों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर मृतका के पिता राम शिरोमणि मिश्रा सिरमौर चौराहे पर आमरण अनशन पर बैठे हुए हैं. इस प्रकरण में उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री के निर्देश पर अब तक की गई कार्यवाही में उच्च स्तरीय जाँच समिति का गठन कर मजिस्ट्रीयल जाँच के आदेश दिए गए हैं.

इसके अलावा आर्थिक सहायता स्वीकृत कराई गई है. वहीं अधीक्षक और डीन हटा दिए गए हैं. इसके अलावा दो नर्सिंग ऑफिसर तथा दो चिकित्सक निलंबित किये गए हैं.

अपने से गिरफ्तारी देने पहुंचे युवा कार्यकर्ता

अमहिया थाने में दर्ज हुई थी युवक कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर एफआईआर

नवभारत न्यूज

रीवा, 8 सितम्बर, रीवा में डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल के आवास पर युवा कांग्रेस द्वारा किए गए उग्र विरोध प्रदर्शन के बाद सियासत पूरी तरह से गरमा गई है. मामले में पुलिस द्वारा तोड़फोड़ और बलवा की धाराओं के तहत मामला दर्ज किए जाने के बाद मंगलवार को युवा कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता खुद गिरफ्तारी देने अमहिया थाना पहुंच गए.

युवा कांग्रेस का साफ कहना है कि जब तक प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री अपने पद से इस्तीफा नहीं दे देते, तब तक उनका यह आंदोलन और विरोध प्रदर्शन चरणबद्ध तरीके से जारी रहेगा. बता दे की बीते दिवस डिप्टी सीएम के रीवा के अमहिया स्थित आवास पर युवा कांग्रेस ने स्वास्थ्य व्यवस्थाओं और स्थानीय मुद्दों को लेकर प्रदर्शन किया था. इस प्रदर्शन के विरोध में एक दिन पूर्व रीवा सांसद जनार्दन मिश्र के नेतृत्व में भाजपा के सैकड़ों कार्यकर्ताओं और नेताओं ने आईजी कार्यालय पहुंचकर युवा कांग्रेसियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और स्नङ्घक्रदर्ज करने की मांग की थी. भाजपा के इस कड़े रुख और शिकायत के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए युवा कांग्रेस के 5 नामजद पदाधिकारियों सहित कुल 15 लोगों के खिलाफ तोड़फोड़, शासकीय कार्य में बाधा और बलवा सहित अन्य गंभीर धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया. वही युवा कांग्रेस के इस उग्र आंदोलन पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए रीवा सांसद जनार्दन मिश्र ने इसे लोकतंत्र विरोधी बताया. सांसद ने आरोप लगाया कि प्रदर्शन की आड़ में सरेआम गुंडागर्दी की गई है, जिसे रीवा में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. फिलहाल सांसद के इस बयान के बाद दोनों राजनीतिक दलों के बीच तनाव और ज्यादा बढ़ गया और मामले ने तूल पकड़ लिया.

वैधानिक कार्रवाई की जा रही है - अमहिया थाना प्रभारी मनोज गौतम ने बताया कि कानून व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए थाने पर सुरक्षा बल तैनात किया गया है. पुलिस ने युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों की बात सुनी है. थाना प्रभारी के अनुसार दर्ज मामले में वैधानिक कार्रवाई की जा रही है और सीसीटीवी फुटेज व अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे कदम उठाए जा रहे हैं.

पुलिस पर एकतरफा कार्यवाही का लगाया आरोप

पुलिस द्वारा मामला दर्ज किए जाने की खबर मिलते ही युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता बैकफुट पर जाने के बजाय और आक्रामक हो गए. आज युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता अमहिया थाना परिसर पहुंचे. कांग्रेसी नेताओं ने पुलिस के सामने खुद को गिरफ्तारी के लिए पेश किया. इसके साथ ही उन्होंने पुलिस प्रशासन पर एकतरफा कार्रवाई का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदर्शन के दौरान उनके कार्यकर्ताओं के साथ भी मारपीट की गई थी. युवा कांग्रेस ने मांग की है कि प्रदर्शनकारियों के साथ मारपीट करने वाले लोगों के खिलाफ भी तत्काल क्रॉस एफआईआर दर्ज की जाए.

संक्षिप्त

कमिश्नर आज करेंगे विभिन्न विभागों की समीक्षा

रीवा, रीवा संभाग के कमिश्नर शीलेन्द्र सिंह 9 सितम्बर को शाम 4 बजे से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित संभागीय बैठक में विभिन्न विभागों की समीक्षा करेंगे. बैठक में राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा पुलिस एवं आबकारी विभाग से जुड़े मुद्दों की समीक्षा करेंगे. सभी संबंधित अधिकारियों को 8 सितम्बर तक एजेण्डा बिन्दुओं की जानकारी प्रस्तुत करने तथा बैठक में वीडियो कान्फ्रेंसिंग से बैठक में शामिल होने के निर्देश दिए गए हैं. संभागीय अधिकारी कमिश्नर कार्यालय एनआईसी केन्द्र से बैठक में शामिल होंगे.

कलेक्टर आज करेंगे विभिन्न विभागों की समीक्षा

रीवा, कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी कलेक्ट्रेट सभागार में 9 सितंबर को सुबह 11 बजे से विभिन्न विभागों के कार्यों एवं योजनाओं की समीक्षा करेंगे. बैठक में कलेक्टर स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, लोक निर्माण विभाग, एमपीआरडीसी एमपीईबी, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, पीआईयू, सेतु विकास निगम, एनएचआई के कार्यों की समीक्षा करेंगे. बैठक में सभी संबंधित अधिकारियों को उपस्थिति के निर्देश दिए गए हैं.

कांग्रेस की हताशा अराजकता के रूप में सामने आ रही

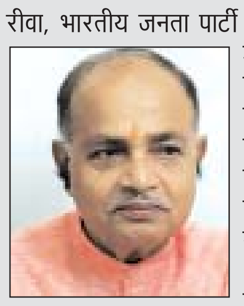

रीवा, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता कमलेश्वर सिंह ने उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल के निवास पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा जबरन प्रवेश कर किए गए उपद्रव की कड़े शब्दों में निंदा की है. उन्होंने इसे कांग्रेस नेताओं का अत्यंत निंदनीय, कायरतापूर्ण और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का खुला उल्लंघन बताया. श्री सिंह ने कहा कि लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका महत्वपूर्ण होती है. हम सभी ने लंबे समय तक विपक्ष की राजनीति की है, लेकिन राजनीतिक विरोध के बावजूद कभी लोकतांत्रिक मर्यादाओं और राजनीतिक शालीनता की सीमाओं को नहीं लांघा. कांग्रेस नेताओं द्वारा जिस तरह की अराजक और असंसदीय हरकत की गई है, उसकी जितनी निंदा की जाए कम है. उन्होंने कहा कि लगातार मिल रही चुनावी हार से कांग्रेस हताश और निराश हो चुकी है. इसी बौखलाहट में अब वह राजनीतिक विरोध को उपद्रव और हिंसा की दिशा में ले जाने का प्रयास कर रही है. कांग्रेस का यह आचरण कोई नया नहीं है. हिंसा, अराजकता और असहिष्णुता से जुड़ा उसका लंबा राजनीतिक इतिहास रहा है. भाजपा नेता ने कांग्रेस से अपील की कि वह राजनीतिक विरोध को लोकतांत्रिक मर्यादाओं के भीतर रखे और विकास तथा जनहित के मुद्दों पर सकारात्मक राजनीति करे. उन्होंने स्पष्ट कहा कि उपद्रव, अराजकता और हिंसा के जरिए लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिशों को भाजपा कार्यकर्ता और रीवा की जनता स्वीकार नहीं करेगी.

किसान मोर्चा के मंडल अध्यक्ष बने अभिषेक त्रिपाठी

रीवा, भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा में संगठनात्मक जिम्मेदारी का विस्तार करते हुए अभिषेक त्रिपाठी को मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया गया है. श्री त्रिपाठी वर्तमान में जनपद पंचायत सिरमौर के सदस्य हैं. उनकी नियुक्ति से क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है. अभिषेक त्रिपाठी को किसान मोर्चा की जिम्मेदारी मिलने से सिमरिया और मनकहरी मंडल क्षेत्र में संगठन को और मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है. कार्यकर्ताओं ने उनकी नियुक्ति का स्वागत करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में किसान मोर्चा की गतिविधियों को गति मिलेगी और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के प्रयास किए जाएंगे. नियुक्ति पर भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने श्री त्रिपाठी को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं. उन्होंने अपनी इस नियुक्ति पर भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता एवं सिमरिया के पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी के प्रति आभार व्यक्त किया है.

जन विश्वास अभियान का शिविर 11 को जवा में

रीवा, आम जनता के आवेदन पत्रों का मौके पर निराकरण करने तथा शासन की योजनाओं की मानीटरिंग के लिए मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान चलाया जा रहा है. अभियान के तहत जवा में 11 सितंबर को शिविर आयोजित किया जा रहा है. इस संबंध में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने बताया कि शासन की उच्च प्राथमिकता के मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान शिविर में सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई तथा लोक सेवा गारंटी योजना में दर्ज आवेदनों का निराकरण किया जाएगा. कलेक्टर ने शिविर आयोजन के संबंध में संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं. उन्होंने कहा है कि अधिकारी शिविर में शामिल होने के साथ-साथ अधीनस्थ कार्यालयों, छात्रावास, अस्पताल, उचित मूल्य दुकान आदि का निरीक्षण करें. शिविर का आयोजन सादगीपूर्ण रूप से करें.

आबकारी विभाग ने महुआ-लाहन सहित कच्ची शराब की जब्त

नवभारत न्यूज

रीवा, 8 सितम्बर, रीवा और मऊगंज जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों में आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने अवैध मदिरा के खिलाफ सघन तलाशी अभियान चलाते हुए छापेमारी की.

इस संयुक्त कार्यवाही के दौरान वृत्त-मऊगंज और चाकघाट के अंतर्गत आने वाले कई गांवों, संदिग्ध शराब अड्डों, हाईवे किनारे संचालित होटलों और ढाबों पर दबिश दी गई. विभिन्न संदिग्ध ठिकानों और ढाबों पर की गई अलग-अलग कार्यवाहियों में आबकारी विभाग ने मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत कुल 17 प्रकरण दर्ज किए हैं. आबकारी विभाग की टीम ने इस दौरान कुल 5 हजार 3 सौ 80 किलोग्राम अवैध महुआ लाहन बरामद कर मौके पर ही नष्ट किया गया. साथ ही ड्रमों और डिब्बों में छिपाकर रखी गई 165 लीटर अवैध कच्ची शराब जब्त की गई. कार्यवाही के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार की मार्का लगी 45 पाव अंग्रेजी शराब भी बरामद की गई है, जिसे तस्करी कर लाया गया था. लगातार मिल रही शिकायत के बाद यह कार्यवाही की गई.

पूरे प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा गई है : कमलेश्वर

नवभारत न्यूज

रीवा, 8 सितम्बर, प्रदेश सहित जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली के विरोध मे आदिवासी कांग्रेस एवं जिला कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वाधान मे किये जा रहे न्याय सत्याग्रह के तीसरे दिन सी. डब्ल्यू. सी. सदस्य एवं पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल के मुख्यआतिथ्य एवं आदिवासी कांग्रेस विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ0 विक्रांत भूरिया की अध्यक्षता मे सम्पन्न हुआ.

न्याय सत्याग्रह को संबोधित करते हुये कमलेश्वर पटेल ने कहा कि पूरे प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा गई है, कल्पना मिश्रा और उसके नवजात शिशु की दर्दनाक मृत्यु स्वास्थ्य विभाग की यह पहली घटना नही है, वरन् पूरे प्रदेश मे आये दिन इस प्रकार की घटनायें घटित हो रही है. न्याय सत्याग्रह को विधायक फुन्देलाल मारको, बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा, पूर्व राज्यसभा सांसद राजमणि पटेल, जिला पंचातय अध्यक्ष सिंगरौली सोनम सिंह, सुखेन्द्र सिंह बन्ना, कविता पाण्डेय, डॉ0 रश्मी सिंह पटेल, युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष यश घंघोरिया, पूर्व विधायक राजेन्द्र मिश्रा ने संबोधित किया. न्याय सत्याग्रह का सफल संचालन ऑल इंडिया आदिवासी कांग्रेस की राष्ट्रीय समन्वयक श्रीमती अर्चना पोर्ते एवं आदिवासी कांग्रेस महिला विभाग की प्रदेश अध्यक्ष चंद्रा सरवटे ने किया. इस अवसर पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष इंजी. राजेन्द्र शर्मा, मऊगंज जिला अध्यक्ष हरिलाल कोल, महापौर अजय मिश्रा बाबा, शहर अध्यक्ष अशोक पटेल मौजूद रहे.

प्रोग्रेसिव पेंशनर्स की बैठक में लिये गये कई निर्णय

नवभारत न्यूज

रीवा, 8 सितम्बर, प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसियेशन जिला शाखा रीवा के कार्यकारिणी की बैठक संघ कार्यालय कोठी कम्पाउण्ड में जिलाध्यक्ष एवं वरिष्ठ उपप्रान्ताध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित की गई.

बैठक में अध्यक्ष ने बताया कि आगामी 21 सितम्बर को भोपाल में कर्मचारी भवन में प्रान्तीय कार्यकारिणी बैठक का आयोजन किया गया है, जिसमें रीवा जिले से जिलाध्यक्ष एवं वरिष्ठ उप प्रान्ताध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार तिवारी उक्त बैठक में सम्मिलित होंगे. जिसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये जाने की संभावना है, केन्द्र के समान 2 प्रतिशत महंगाई भत्ता अभी तक न कर्मचारियों को दिया गया और न ही पेंशनर्स को, इसके अलावा अन्य मांगों पर चर्चा हुई. बैठक में राजर्षिदेव द्विवेदी, यदुवीर द्विवेदी, रामउजागर तिवारी, दामोदर प्रसाद मिश्रा, उमाकान्त तिवारी, नरेश द्विवेदी, सिद्धमुनि पाण्डेय, उर्मिला प्रसाद मौजूद थे.

स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर कांग्रेस ने निकाला शहर में मशाल जुलूस

नवभारत न्यूज

रीवा, 8 सितम्बर, जिले की बिगड़ी स्वास्थ्य व्यवस्था एवं गांधी मेमोरियल अस्पताल में हुए जच्चा-बच्चा की मौत के बाद लगातार कांग्रेस विरोध प्रदर्शन कर रही है.

मंगलवार की शाम कमिश्नर कार्यालय के सामने चल रहे न्याय सत्याग्रह धरना स्थल से मशाल जुलूस शहर में निकाला गया. धरना स्थल से मशाल जुलूस शुरू हुआ जो शिल्पी प्लाजा होते हुए हेतु कालाणी चौक से सांई मंदिर पहुंचा. उसके बाद धरना स्थल मशाल जुलूस समाप्त हुआ. इस दौरान कांग्रेसियों ने जमकर नारेबाजी की और कहा मृतका कल्पना मिश्रा को न्याय दो, जुलूस में डा. विक्रांत भूरिया, पूर्व सांसद राजमणि पटेल, सुखेन्द्र सिंह बन्ना, युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष यश घंघोरिया आदि शामिल रहे. गौरतलब है कि पिछले कई दिनों से कमिश्नर कार्यालय के सामने कांग्रेस का न्याय सत्याग्रह अनिश्चित कालीन धरना चल रहा है. अब न्याय सत्याग्रह में शामिल होने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी भी 10 सितम्बर को पहुंच रहे है.

अमहिया थाने पहुंचे मृतका कल्पना के परिजन

अस्पताल में जच्चा-बच्चा की मौत के बाद परिजनों का धरना सिरमौर चौराहे में पिछले कई दिनों से चल रहा है. मृतका कल्पना मिश्रा के पिता एफआईआर दर्ज करने पर अड़े हुए है. मंगलवार की शाम मृतका के परिजन एवं कांग्रेस नेता डा. विनोद शर्मा अमहिया थाने एफआईआर दर्ज कराने पहुंचे थे. जहा पर एएसपी सहित पुलिस बल मौजूद रहा. एफआईआर दर्ज न करने पर परिजन थाने के बाहर धरने पर बैठ गये और नारेबाजी करने लगे. परिजनों का कहना था कि पुलिस सुप्रीम कोर्ट के किसी जजमेंट को लेकर एफआईआर दर्ज करने से मना कर रही है.

आवाज उठाना सवाल करना संवैधानिक अधिकार : शर्मा

कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेन्द्र शर्मा ने पत्रकारों के सामने रखी अपनी बात

नवभारत न्यूज

रीवा, 8 सितम्बर, जिले के युवक कांग्रेस के कार्यकर्ता शांतिपूर्ण तरीके से उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री के खिलाफ स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली को लेकर उनसे चर्चा करने के जा रहे थे लेकिन पुलिस प्रशासन द्वारा उन पर जबरन वॉटर कैनन का इस्तेमाल करना एवं उन्हें गिरफ्तार करना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण एवं लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन है.

पत्रकार वार्ता में पत्रकारों को संबोधित करते हुए इंजी. राजेन्द्र शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के नौजवान आजादी की लड़ाई लड़ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की विचारधारा के सिपाही है. लोकतंत्र में अपनी आवाज उठाना और सरकार से सवाल करना प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है. उन्होने कहा कि भाजपा के सांसद जनार्दन मिश्रा ने हमारे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को कायर कहकर अपनी गुलामी मानसिकता का परिचय दिया है. असली कायर तो वे लोग है जिनका देश की आजादी की लड़ाई में रत्तीमात्र भी योगदान नहीं रहा और उल्टे अंग्रेजी हुकूमत की गुलामी करते थे. उन्होने कहा कि आज प्रदेश की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर युवा कांग्रेस के प्रदेश सरकार और स्वास्थ्य मंत्री से जवाब मांग रहें है. उनके सवालों का जवाब देने की बजाय पुलिस के बल पर आवाज दबाना और दमनात्मक कार्यवाही करना भाजपा सरकार की हताशा को दर्शाता है. श्री शर्मा ने आंदोलन के औचित्य पर बोलते हुए कहा कि यह आंदोलन किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं बल्कि मध्यप्रदेश की बदहाल और चरमराई हुई स्वास्थ्य व्यवस्था के खिलाफ है. सवाल यह है कि जिस प्रदेश में आमजन मानस अपने इलाज के लिए सरकारी अस्पताल पर भरोसा करता है. वहां उसे बेहतर इलाज के बजाय मृत्यु का शिकार होना पड़ता है. उन्होंने रीवा के संजय गांधी स्मृति चिकित्सालय की स्वास्थ्य व्यवस्था पर की घोर लापरवाही एवं मरीजों के स्वास्थ के साथ खिलवाड़ करते हुए प्रसूता कल्पना मिश्रा और उसके नवजात शिशु की मौत ने पूरे स्वास्थ्य तंत्र पर प्रश्न चिन्ह खड़ा कर दिया है. श्री शर्मा ने कहा कि यह आन्दोलन किसी व्यक्ति विशेष के विरोध मे नही किया जा रहा है, वरन् प्रदेश की पदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिये किया जा रहा है, कांग्रेस महासचिव एवं पूर्व विधायक सुखेन्द्र सिंह बन्ना ने संबोधित करते हुये कहा कि यह धरना निर्णायक होगा.

जमीन विवाद को लेकर सतना सेमरिया मार्ग पर चक्काजाम

नवभारत न्यूज

रीवा, 8 सितम्बर, रीवा जिले के सेमरिया थाना अंतर्गत ग्राम कोलौरा में दो परिवारों के बीच चल रहे आपसी जमीनी विवाद ने उस समय बड़ा रूप ले लिया जब एक पक्ष के लोगों ने मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया.

घटना के कारण सतना-सेमरिया मार्ग पर घंटों तक वाहनों के पहिए थमे रहे, जिससे राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा. मिली जानकारी के अनुसार ग्राम कोलौरा में दो परिवारों के बीच काफी समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है. इसी मामले से नाराज होकर कोरी समाज के लोगों ने एकजुट होकर सतना-सेमरिया मार्ग को पूरी तरह से ब्लॉक कर दिया. सूचना मिलते ही तहसीलदार ने पुलिस बल के साथ पहुंचकर मोर्चा संभाला.

जाली लगाकर बंद किया रास्ता

रीवा, 8 सितम्बर, गोविंदगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत मड़वा गांव में दबंगों द्वारा दलित बस्ती का पुश्तैनी रास्ता बंद करने का एक गंभीर मामला सामने आया है. रास्ते पर कटीले तार और जाली लगाए जाने से परेशान होकर पीड़ित ग्रामीण न्याय की गुहार लगाने कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और रास्ता खुलवाने की मांग की. ग्रामीणों के अनुसार रास्ता बंद होने से बस्ती के तकरीबन 200 लोग पूरी तरह से कैद हो गए है.

रीवा में मेडिकल छात्रों का विरोध शुरू, स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग

इंटर्न डाक्टरों का कहना अन्य राज्यों में स्टाइपेंड अधिक

नवभारत न्यूज

रीवा, 8 सितम्बर, भोपाल में मेडिकल छात्रों पर हुए लाठीचार्ज और वाटर कैनन के विरोध की आग अब पूरे मध्य प्रदेश में फैल गई है.

भोपाल के बाद अब रीवा संभाग के श्याम शाह मेडिकल कॉलेज के छात्र भी इस आंदोलन में पूरी तरह कूद पड़े हैं. स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर शुरू हुआ यह प्रदर्शन अब प्रदेशव्यापी हड़ताल का रूप ले चुका है, जिससे सरकारी अस्पतालों की स्वास्थ्य व्यवस्थाएं चरमराने लगी हैं. दरअसल रीवा मेडिकल कॉलेज के इंटर्न डॉक्टर ने भी स्टाइपेंड की मांग को लेकर आज से विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है. रीवा में विरोध पर उतरे डॉक्टर ने कहा कि उनकी सिर्फ एक ही मांग है कि प्रतिमाह मिलने वाले स्टाइपेंड को 14 हजार से बढ़कर 30 हजार किया जाए. इंटर्न डॉक्टर्स ने बताया कि अन्य राज्यों की अपेक्षा मध्य प्रदेश में सबसे कम स्टाइपेंड दिया जा रहा है जबकि अन्य राज्यों की अपेक्षा सबसे अधिक फीस मध्य प्रदेश में ही वसूली जा रही है. हालांकि विरोध कर रहे डॉक्टर ने कहा कि उनका ना तो सरकार से कोई विरोध है और ना ही व्यवस्था के खिलाफ उनकी सिर्फ एक ही मांग है कि उनका स्टाइपेंड बढ़ाया जाए. वही विरोध प्रदर्शन कर रहे मेडिकल छात्रों ने भोपाल में मेडिकल छात्रों के ऊपर हुए लाठीचार्ज और वाटर कैनन छोड़े जाने की घटना पर भी विरोध दर्ज कराया है. डॉक्टर ने कहा कि हम हाई लेवल पर बात करने के बाद भोपाल जाएंगे और प्रदर्शन में शामिल होंगे.